इंडिया टुडे

संगीत

1/अगस्त/2012 अंक

साहित्य में प्रकाशित

ओमप्रकाश का एक चित्र

लक्ष्य मोहन (सितार) और आयुष मोहन (सरोद) की जुगलबंदी

हार्डटॉक हिंदुस्तानी

जनाब टिम सेबस्टियान से तो आप परिचित ही होंगे. वही टिम जो बीबीसी के *हार्डटॉक* और *द दोहा डिबेट्स* नाम के इंटरव्यू के कार्यक्रमों में बड़े-बड़ों की हालत खराब कर देते हैं. यदि आप उनका प्रोग्राम देखने का मौका न निकाल पाए हों तो फिक्र करने की कोई बात नहीं. अहम अवार्ड जीत चुका ब्रिटेन का यह नामी टेलीविजन पत्रकार अब हिंदुस्तानी रंग में नुमायां होने वाला है, अपने उसी तंज और तेवर के साथ. वे जिस शो को मॉडरेट करने जा रहे हैं, उसका नाम है *द आउटसाइडर*. इसकी शुरुआत अगस्त से होगी.

लेन और धज्जियां!

कपड़े उतारने में भला कौन मुकाबला कर पाएगा 28 वर्षीया शर्लिन चोपड़ा का. *प्लेब्वॉय* पत्रिका के कवर के लिए लॉस एंजिल्स में फोटो खिंचवाकर लौटी ही हैं. यह मौका पाने वाली वे पहली भारतीय एडल्ट मॉडल हैं. कैसे मिला यह मौका? ''असल में मैंने मई में *प्लेब्वॉय* के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर को अपनी फोटो भेजी थी. उन्होंने मुझे बुला लिया.'' और कैसा रहा शूट? जवाब सुनिए, ''जैसे आप छुट्टियां मनाएं और ऊपर से पैसे भी मिलें.'' पर छपने के बाद मिलने वाली प्रतिक्रियाओं का अंदाजा है उन्हें. तभी तो कहती हैं, ''मुझे पता है, मुझे ज़लील किया जाएगा और मेरी धज्जियां उड़ाई जाएंगी. लेकिन इस सबसे भविष्य की मेरी योजनाओं पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला. हिंदुस्तान में तो मुझे पता नहीं कि क्या काम मिलेगा पर मैं काम क्वालिटी का ही करूंगी.'' अच्छा!

बंसी दादा बोले

भारत के शीर्ष रंगकर्मियों में से एक बंसी कौल को पिछले हफ्ते छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक दिन में तीन मर्तबा सुनने का मौका मिला. पत्रकारिता के छात्रों और स्कूली विद्यार्थियों के अलावा तीसरे आयोजन के तौर पर रंगकर्मियों के बीच भी वे गए. हर जगह वही, थिएटर को बचानें की गुहार. बोले; ''जब संसार खत्म होगा तो यह अंतिम (थिएटर) परिवार ही बचेगा. इस माइनॉरिटी को बचाना इस दौर का बड़ा सवाल है.'' रंग विदूषक नाम की रंग संस्था के संस्थापक कौल ने अपने चार दशकों की थिएटर यात्रा में पूरे भारत में किए गए कामों को अलग-अलग पड़ाव मानते हुए उनका खास तौर पर स्मरण किया. प्रदेश की भाजपा सरकार के संस्कृति महकमे ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि के कुलपति सच्चिदानंद जोशी के हाथों इस खांटी वामपंथी रंगकर्मी को गुलदस्ता भेंट करवाया. रायपुर में एक और अहम आयोजन में प्रदेश के पहले टॉप ग्रेड गायक अश्विनी वर्मा ने उस्ताद मेहंदी हसन को रागदारी में भीगे अंदाज-ए-बयां के साथ याद किया. कई और ने भी उस्ताद की ही गजलें गाईं.

—राजेश गनोदवाले